Ladybird Beetle

Beetles are a group of insects that form the order Coleoptera. The word coleoptera is from the Greekwhich means "sheathed wing", because most beetles have two pairs of wings, the front pair, being hardened and thickened into a shell-like protection for the rear pair and the beetle's abdomen. These hard forewings serve as a protective shield for the fragile flying wings, which are folded underneath. The order contains more species than any other order, constituting almost 25% of all known animal life-forms.

Coccinellidae or ladybird is a widespread family of small beetles. The name *coccinellids* is derived from the Latin word *coccineus* meaning "scarlet". The name "ladybird" originated in Britain where the insects became known as "Our Lady's bird" or the Lady beetle". They are commonly yellow, orange, or red with small black spots on their wing covers, with black legs, heads and antennae. However, such colour patterns vary greatly. They have a bitter taste, and their bright coloration is thought to serve as a warning to predators. Entomologists widely prefer the names ladybird beetles or lady beetles as these insects are not classified as true bugs.

Most coccinellids have oval, dome-shaped bodies with six short legs. Depending on the species, they can have spots, stripes, or no markings at all. Seven-spotted coccinellids are red or orange with three spots on each side and one in the middle; they have a black head with white patches on each side. Ladybird beetles are mostly under 1/4 inch (6 mm) long and are nearly hemispherical in shape, with very short legs.

The underlying pattern and colouration are determined by the species and genetics of the beetle, and develop as the insect matures. In some species its appearance is fixed by the time it emerges from its pupa, though in most it may take some days for the colour of the adult beetle to mature and stabilise. Generally, the mature colour tends to be fuller and darker than the colour of younger ones.

Beetles are endopterygotes, which means before emerging as winged adults they undergo complete metamorphosis, a biological process by which an animal physically develops after birth or hatching, undergoing a series of conspicuous and relatively abrupt change in their body structure. The larval life stages of beetles are very diverse in appearance, but generally are elongate with three pairs of jointed legs at the front of the body. They are told apart from caterpillars by the lack of claspers on the hind segments of the body.

The majority of coccinellids species are generally considered useful insects, because many species prey on herbivorous homopterans such as aphids or scale insects, which are agricultural pests. Nearly all ladybird beetles, both larvae and adults, are predators on destructive, plant-eating insects. It only takes about four weeks for the ladybeetle to transform from a tiny egg to an adult. Some females can lay up to 1,000 eggs in one summer. The ladybeetle may lay her eggs near an aphid colony, or on plants where the larvae will have a ready supply of food when they hatch. The adults gather in large numbers in the fall, prior to winter hibernation, and are often collected at that time by farmers for use in pest control, as Aphids are a huge problem for farmers and gardeners, and therefore a ladybug is a great help to the farmer.

Department of Posts is pleased to release set of four Commemorative Postage Stamps on “Ladybird Beetle”.

Credits:-

Text	:	Based on the material available on internet
Stamp / Miniature Sheet/ Sheetlets/FDC/Brochure/ Cancellation Cachet	:	Shri Suresh Kumar



लेडीबर्ड बीटल

बीटल कीटों का एक समूह है जिससे कोलिओप्टेरा समूह (आर्डर) बनता है। कोलिओप्टेरा शब्द ग्रीक से आया है जिसका अर्थ है "आच्छादित पंख", क्योंकि अधिकतर बीटलों के दो जोड़ी पंख होते हैं। आगे के पंखों का जोड़ा पिछले पंखों के जोड़े और बीटल के उदर के संरक्षण के लिए शंख की तरह कठोर और घना होता है। आगे के ये कठोर पंख उड़ने वाले सुकोमल पंखों, जो नीचे की ओर मुड़े रहते हैं, के लिए संरक्षक कवच का कार्य करते हैं। इस समूह के अंतर्गत अन्य किसी भी समूह की तुलना में सबसे अधिक जीव-प्रजातियां आती हैं जो सभी ज्ञात जीव-जन्तुओं के रूपों का लगभग 25% हिस्सा है।

कोक्किनेल्लिडाइ अथवा लेडीबर्ड छोटे कीटों का एक व्यापक परिवार है। कोक्किनेल्लिडाइ लैटिन शब्द कोक्किनीयस शब्द से व्युत्पन्न हुआ है जिसका अर्थ है "स्कारलेट"। "लेडीबर्ड" के नाम की व्युत्पत्ति ब्रिटेन में हुई, जहां कीटों को "अवर लेडीजबर्ड" अथवा "लेडी बीटल" के नाम से जाना जाता था। ये सामान्यत: पीले, नारंगी अथवा लाल रंग के होते हैं। इनके पंखों के ऊपर छोटी काली बिन्दियां होती हैं। इनकी टांगे, सिर और श्रृंगिका काली होती हैं। तथापि, ऐसे रंग पैटर्न में काफी भिन्नता रहती है। उनका स्वाद कड़वा होता है और ऐसा माना जाता है कि इनका चमकदार रंग परभक्षियों के लिए एक चेतावनी के रूप में कार्य करता है। कीट-विज्ञानी व्यापक रूप से लेडीबर्ड बीटल अथवा लेडी बीटल्स नाम को प्राथमिकता देते हैं, क्योंकि ये कीट सही अर्थों में कीटों की श्रेणी में नहीं आते।

अधिकतर कोक्किनेल्लिडाइ छ: छोटी टांगों वाले, अंडाकार, गुम्बद के आकार के शरीर वाले होते हैं। उनकी जीवजाति की विशेषता के अनुसार उनके ऊपर बिंदियां होती हैं, धारियां होती हैं अथवा कोई भी चिन्ह नहीं होता। सात बिंदियों वाले कोक्किनेल्लिडाइ लाल अथवा नारंगी रंग के होते हैं, उनकी प्रत्येक ओर तीन बिन्दियां और बीचों-बीच एक बिंदी होती है; उनका सिर काला होता है और उसके प्रत्येक ओर सफेद चित्ती होती हैं। लेडीबर्ड बीटल प्राय: ¼ इंच (6 मि. मी.) लंबी होती है और बहुत छोटी टांगों वाली आकार में ये लगभग अर्धगोलाकार होती हैं। शरीर के निचले हिस्से का पैटर्न और रंग बीटल की जाति और आनुवंशिकता द्वारा निर्धारित होता है और कीट के बड़े होने के साथ-साथ यह बढ़ता है। कुछ जीवजातियों में इनके प्यूपा से निकलने के समय ही यह दिखाई देता है, जबकि अधिकांशत: वयस्क बीटल का रंग परिपक्व होने और स्थिर होने में कुछ दिन लग जाते हैं। सामान्यत: बड़े बीटल का रंग छोटे बीटल के रंग से अपेक्षाकृत अधिक गहरा होता है।

बीटल एंडोप्टरीगोट्स होते हैं, जिसका अर्थ है कि पंखयुक्त वयस्क के रूप में उभरने से पूर्व इनका पूर्णरूपेण कायान्तरण हो जाता है, जो एक जैविक प्रक्रिया है, जिसके तहत कोई पशु जन्म अथवा अंडे से निकलने (हैचिंग) के बाद शारीरिक रूप से विकसित होता है, उसकी शारीरिक संरचना में क्रमिक, स्पष्ट और अपेक्षाकृत आकस्मिक परिवर्तन होते हैं। बीटल की डिम्भल अवस्थाएं देखने में बहुत भिन्न होती हैं, लेकिन सामान्यत: शरीर के अगले हिस्से के संयुक्त पैरो के तीन जोड़े लंबे होते हैं। ये शरीर के पिछले हिस्से पर आश्लेषक की कमी के कारण सूंडी (कैटरपिलर्स) से अलग बताए जाते हैं।

अधिकतर कोक्किनेलिड जीवजातियां सामान्यत: उपयोगी कीटों की श्रेणी में मानी जाती हैं, क्योंकि बहुत सी जीवजातियां - माहूं अथवा खपड़ीदार कीटों, जो कृषि-नाशी जीव हैं, की तरह शाकभक्षी होमोप्टेरन्स को नष्ट कर देती हैं। लगभग सभी लेडीबर्ड बीटल, जिसमें डिम्भक (लारवा) और वयस्क दोनों शामिल हैं, विनाशकारी, पौधों को खाने वाले कीड़ों के लिए परभक्षी होते हैं। छोटे अंडे से वयस्क में रूपांतरित होने में, लेडीबर्ड बीटल को केवल चार सप्ताह लगते हैं। कुछ मादा जीवजातियां एक ग्रीष्मकालीन मौसम में 1000 तक अंडे दे सकती हैं। लेडी बीटल अपने अंडे किसी माहूं क्षेत्र के पास अथवा किसी ऐसे पौधे पर देती है, जहां लारवा को, उसके अंडे से निकलने के समय तैयार खाद्य की आपूर्ति होती रहे। शीतनिष्क्रियता से पूर्व, वयस्क लेडी बीटल जलप्रपातों में बड़ी संख्या में इकट्ठे हो जाते हैं और नाशक जीवों के नियंत्रण में इनका उपयोग करने के लिए किसानों द्वारा प्राय: उस समय इन्हें इकट्ठा किया जाता है, क्योंकि किसानों और मालियों के लिए माहुंओं का होना एक बड़ी समस्या है और इसलिए लेडीबर्ड से किसानों को बड़ी सहायता मिलती है।

भारत के कुछ भागों में लेडीबर्ड बीटल की जातियों में 'इलिट्रा' और 'प्रोनोटम' के पैटर्न के संबंध में बहुत भिन्नता पाई जाती है। अत: लेडीबर्ड बीटल के भिन्न-भिन्न रूप होने के कारण इनकी दिखाई देने वाली बिन्दियों (स्पॉट) की संख्या, आकार और इलिट्रा और प्रोनोटम संबंधी पैटर्न में अन्तर पाया जाता है। देश के अन्य हिस्सों में से भारत के पश्चिमी घाटों में, अन्य कीटों के साथ-साथ कोलिओप्टेरा प्रचुर मात्रा में होते हैं और यह विश्व के वृहद् विविधतापूर्ण हॉटस्पॉटों का एक भाग भी है।

डाक विभाग "लेडीबर्ड बीटल" पर चार स्मारक डाक-टिकटों का सेट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार:-

पाठ : इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री के आधार पर आधारित

डाक टिकट/मिनियेचर शीट/शीटलेट्स/ प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका/ विरूपण मुहर : श्री सुरेश कुमार

भारतीय डाक
India Post

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	:	500पैसा(2), 1500पैसा(2)
Denomination	:	500p (2), 1500p (2)
मुद्रित मिनियेचर शीट	:	1.0 लाख
Miniature Sheet Printed	:	0.1 million
मुद्रित शीटलेट्स (4 प्रकार)	:	20000 प्रत्येक
Sheetlets Printed (4 types)	:	20000 each
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक-टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00